

16.4.26

जा फा रो. 62/23 35w/गणनायक

बकीक प्राप्ति के विवेक-

पर पत्रावली आज देर हुई।

उपरी बकीक प्राप्ति के प्रारंभ

प्रारंभ हुए प्रकरण के आगे

लांछित नहीं रखने का बका

परिपे विज्ञापन विचारित

करवाने का विवेक किया।

आज प्रकरण परिपे विज्ञापन

स्वार्थित किया जा रहा है

पत्रावली के साथ प्रकाश हो

नैतिक के कर्म होकर साहित्य

द्वारा हो

**अस कलक्टर, नगर**